C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2×4=8) (1×2=2) [10]

महान रसायनशास्त्री आचार्य नागार्जुन को अपनी प्रयोगशाला के लिये दो सहायकों की आवश्यकता थी। अनेक युवक उनके पास आये और निवेदन किया कि वे उन्हें अपने सहायक के रुप में नियुक्त कर लें। लेकिन परीक्षा लेने पर सभी प्रत्याशी अयोग्य साबित हुए। अंत में आचार्य निराश हो गए। उनकी निराशा का कारण यह था कि युवकों में रसायनशास्त्र के ज्ञाता तो बहुत थे और अपने विषय से परिचित भी, लेकिन एक रसायनशास्त्री के लिए जो एक पवित्र ध्येय होता है, उसका सभी में अभाव था। प्रत्याशियों में से किसी को अपने वेतन की चिंता थी, किसी को अपने परिवार की, तो किसी को अपना भविष्य उज्ज्वल बनाना था। पर आचार्य नागार्जुन को ऐसे सहायक की आवश्यकता नहीं थी। उनके मन और विचार में कुछ और ही था। निराश

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

होकर उन्होंने सहायक की आवश्यकता होते हुए भी स्वयं ही सारा कार्य करने का निश्चय कर लिया।

कुछ दिन बाद ही दो युवक आचार्य के पास आये। उन्होंने उनसे निवेदन किया कि वे उन्हें अपना सहायक नियुक्त कर लें। आचार्य ने पहले तो उन्हें लौटा देना चाहा, लेकिन युवकों के अधिक आग्रह पर उन्होंने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। आचार्य ने दोनों युवकों को एक पदार्थ देकर दो दिन के भीतर ही उसका रसायन तैयार कर लाने को कहा। दोनों युवक पदार्थ लेकर अपने घर लौट गए।

दो दिन बाद एक युवक रसायन तैयार करके सुबह-सुबह ही उनके पास पहुँचा और रसायन का पात्र उन्हें देते हुए बोला "लीजिए आचार्य जी, रसायन तैयार है"। रसायन के पात्र की ओर बिना देखे ही आचार्य ने प्रश्न किया, "तो रसायन तैयार कर लिया तुमने?"

रसायन का पात्र एक ओर रखते हुए युवक ने कहा, "जी हाँ।" आचार्य ने दूसरा प्रश्न किया, "रसायन तैयार करते समय किसी भी प्रकार की कोई बाधा तो उपस्थित नहीं हुई?" युवक ने सकुचाते हुए उत्तर दिया, "बाधाएँ तो बहुत आई थीं, लेकिन मैंने किसी भी बाधा की चिंता किये बिना अपना कार्य चालू ही रखा तथा रसायन तैयार कर लिया। यदि मैं बाधाओं में उलझ गया होता, तो रसायन तैयार हो ही नहीं सकता था। एक ओर तो पिता के पेट में भयंकर शूल था, दूसरी ओर मेरी माता ज्वर से पीड़ित थी। ऊपर से मेरा छोटा भाई टांग तुड़वाकर पीड़ा से कराह रहा था। परन्तु ये बातें मुझे रसायन बनाने से विचलित नहीं कर सकीं।"

तभी दूसरा युवक खाली हाथ आकर वहाँ खड़ा हो गया। आचार्य जी ने उससे पूछा "रसायन कहाँ है?" युवक ने झिझकते हुए उत्तर दिया "आचार्यजी, मैं क्षमा चाहता हूँ। मैं रसायन तैयार नहीं कर सका क्योंकि जाते समय मार्ग में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

एक वृद्ध व्यक्ति मिल गया था। वह एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। मेरा सारा समय उसकी सेवा में ही व्यतीत हो गया।"

आचार्य ने पहले युवक से कहा "तुम जा सकते हो। मुझे तुम्हारी आवश्यकता नहीं। रसायनशास्त्री यदि पीड़ा से कराहते हुए व्यक्ति की उपेक्षा करे, तो वह अपने शास्त्र में अपूर्ण है।" दूसरे व्यक्ति को उन्होंने अपना सहायक नियुक्त कर लिया। भविष्य में वही युवक उनका दायाँ हाथ बना और उन्हें अति प्रिय लगने लगा।

1. आचार्य को कैसे सहायकों की आवश्यकता थी?
2. आचार्य की निराशा का क्या कारण था?
3. आचार्य ने दोनों युवकों की परीक्षा लेने का क्या उपाय सोचा तथा क्यों?
4. दूसरा युवक रसायन क्यों तैयार नहीं कर सका? इससे उसके चरित्र का कौन-सा गुण स्पष्ट होता है?
5. आचार्य ने अपना सहायक किसे और क्यों चुना?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [1]

रंगत, लिखावट

ख) निम्नलिखित शब्दों के उचित उपसर्ग पहचानिए। [1]

निर्गुण, दुर्घटना

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए : [1]

दरअसल, सदाचारी,

घ) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए : [1]

नमकीन, सुनार,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 3. निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखें : [4]

1. कमल के समान नयन
2. शत अब्दों का समूह
3. देश और विदेश
4. पाँच हैं आनन जिसके

प्र. 4. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए। [4]

1. मैं नहीं जा सकूँगा।
2. अहा! कैसा सुंदर दृश्य है!
3. तुम सदैव स्वस्थ और प्रसन्न रहो।
4. वह एक अच्छी लड़की है।

प्र. 5. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए। [4]

1. खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा।
2. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के
3. भुज भुजगेस की है संगिनी भुजंगिनी सी
4. वह नव नलिनी से नयन वाला कहाँ है?

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [3×2=6]

सेनापति 'हे' कुछ क्षण ठहरकर बोले- "हाँ, मैंने तुम्हें, पहिचाना, कि तुम मेरी पुत्री मेरी की सहचरी हो! किंतु मैं जिस सरकार का नौकर हूँ, उसकी आज्ञा नहीं टाल सकता। तो भी मैं तुम्हारी रक्षा का प्रयत्न करूँगा।"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

इस समय प्रधान सेनापति जनरल अउटरम वहाँ आ पहुँचे, और उन्होंने बिगड़ कर सेनापति 'हे' से कहा - "नाना का महल अभी तक तोप से क्यों नहीं उड़ाया गया"

सेनापति 'हे' ने विनयपूर्वक कहा - "मैं इसी फ़िक्र में हूँ; किंतु आपसे एक निवेदन है। क्या किसी तरह नाना का महल बच सकता है?"

क) सेनापति ने किसको पहचान लिया?

ख) 'हे' किस सरकार के नौकर थे? 'हे' किस बात से चिंतित थे?

ग) जनरल अउटरम 'हे' पर क्यों बिगड़ उठा?

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया?
2. "लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।" - हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिये।
3. महादेवी वर्मा ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
4. लोग फोटो खिंचवाने के लिए क्या-क्या करते हैं?
5. तिब्बत में डाँडे किसे कहते हैं? यह खतरनाक क्यों है?

प्र.8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया हैं
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक

1. गेंदों के अंतरिक्ष में गिरने के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
2. मदरसों से क्या आशय है? 'काले पहाड़' किसके प्रतीक हैं?
3. काव्यांश का मूलभाव क्या है?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए ललदय ने क्या उपाय सुझाया है?
2. गोपियाँ कृष्ण के समक्ष विवश क्यों हो जाती हैं?
3. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?
4. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसक कुल से होती है या कर्मों से?तर्क सहित उत्तर दीजिए?
5. ‘चंद्रगहना लौटती बेर’ कविता के अनुसार ‘प्रकृति का अनुराग-अंचल हिल रहा है’, पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. 'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

2. लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज़्यादा सोचने का समय नहीं था?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

- नर हो न निराश करो मन को
- इंटरनेट की दुनिया
  - इंटरनैट-क्या है
  - मानव मन पर प्रभाव
  - सदुपयोग
- प्रकृति
  - मानवीय जीवन में प्रकृति का महत्त्व
  - प्रकृति को नष्ट करने से होने वाले दुष्परिणाम
  - प्रकृति को बचाने के उपाय

प्र. 12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।
2. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए।

प्र. 13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लिखें।[5]

1. दो मित्रों के बीच वृक्षारोपण पर बातचीत पर संवाद लेखन लिखें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2×4=8) (1×2=2) [10]

महान रसायनशास्त्री आचार्य नागार्जुन को अपनी प्रयोगशाला के लिये दो सहायकों की आवश्यकता थी। अनेक युवक उनके पास आये और निवेदन किया कि वे उन्हें अपने सहायक के रूप में नियुक्त कर लें। लेकिन परीक्षा लेने पर सभी प्रत्याशी अयोग्य साबित हुए। अंत में आचार्य निराश हो गए। उनकी निराशा का कारण यह था कि युवकों में रसायनशास्त्र के ज्ञाता तो बहुत थे और अपने विषय से परिचित भी, लेकिन एक रसायनशास्त्री के लिए जो एक पवित्र ध्येय होता है, उसका सभी में अभाव था। प्रत्याशियों में से किसी को अपने वेतन की चिंता थी, किसी को अपने परिवार की, तो किसी को अपना भविष्य उज्ज्वल बनाना था। पर आचार्य नागार्जुन को ऐसे सहायक की आवश्यकता नहीं थी। उनके मन और विचार में कुछ और ही था। निराश

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

होकर उन्होंने सहायक की आवश्यकता होते हुए भी स्वयं ही सारा कार्य करने का निश्चय कर लिया।

कुछ दिन बाद ही दो युवक आचार्य के पास आये। उन्होंने उनसे निवेदन किया कि वे उन्हें अपना सहायक नियुक्त कर लें। आचार्य ने पहले तो उन्हें लौटा देना चाहा, लेकिन युवकों के अधिक आग्रह पर उन्होंने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। आचार्य ने दोनों युवकों को एक पदार्थ देकर दो दिन के भीतर ही उसका रसायन तैयार कर लाने को कहा। दोनों युवक पदार्थ लेकर अपने घर लौट गए।

दो दिन बाद एक युवक रसायन तैयार करके सुबह-सुबह ही उनके पास पहुँचा और रसायन का पात्र उन्हें देते हुए बोला "लीजिए आचार्य जी, रसायन तैयार है"। रसायन के पात्र की ओर बिना देखे ही आचार्य ने प्रश्न किया, "तो रसायन तैयार कर लिया तुमने?"

रसायन का पात्र एक ओर रखते हुए युवक ने कहा, "जी हाँ।" आचार्य ने दूसरा प्रश्न किया, "रसायन तैयार करते समय किसी भी प्रकार की कोई बाधा तो उपस्थित नहीं हुई?" युवक ने सकुचाते हुए उत्तर दिया, "बाधाएँ तो बहुत आई थीं, लेकिन मैंने किसी भी बाधा की चिंता किये बिना अपना कार्य चालू ही रखा तथा रसायन तैयार कर लिया। यदि मैं बाधाओं में उलझ गया होता, तो रसायन तैयार हो ही नहीं सकता था। एक ओर तो पिता के पेट में भयंकर शूल था, दूसरी ओर मेरी माता ज्वर से पीड़ित थी। ऊपर से मेरा छोटा भाई टांग तुड़वाकर पीड़ा से कराह रहा था। परन्तु ये बातें मुझे रसायन बनाने से विचलित नहीं कर सकीं।"

तभी दूसरा युवक खाली हाथ आकर वहाँ खड़ा हो गया। आचार्य जी ने उससे पूछा "रसायन कहाँ है?" युवक ने झिझकते हुए उत्तर दिया "आचार्यजी, मैं क्षमा चाहता हूँ। मैं रसायन तैयार नहीं कर सका क्योंकि जाते समय मार्ग में एक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

वृद्ध व्यक्ति मिल गया था। वह एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। मेरा सारा समय उसकी सेवा में ही व्यतीत हो गया।"

आचार्य ने पहले युवक से कहा "तुम जा सकते हो। मुझे तुम्हारी आवश्यकता नहीं। रसायनशास्त्री यदि पीड़ा से कराहते हुए व्यक्ति की उपेक्षा करे, तो वह अपने शास्त्र में अपूर्ण है।" दूसरे व्यक्ति को उन्होंने अपना सहायक नियुक्त कर लिया। भविष्य में वही युवक उनका दायाँ हाथ बना और उन्हें अति प्रिय लगने लगा।

1. आचार्य को कैसे सहायकों की आवश्यकता थी?

   उत्तर : आचार्य को पवित्र ध्येय वाले सहायकों की आवश्यकता थी।

2. आचार्य की निराशा का क्या कारण था?

   उत्तर : आचार्य की निराशा का कारण युवकों में रसायनशास्त्र के ज्ञाता तो बहुत थे और अपने विषय से परिचित भी, लेकिन एक रसायनशास्त्री के लिए जो एक पवित्र ध्येय होता है, उसका सभी में अभाव था।

3. आचार्य ने दोनों युवकों की परीक्षा लेने का क्या उपाय सोचा तथा क्यों?

   उत्तर : आचार्य ने दोनों युवकों को एक पदार्थ देकर दो दिन के भीतर ही उसका रसायन तैयार कर लाने को कहा। क्योंकि उनके पास अनेक युवक आए थे लेकिन परीक्षा लेने पर सभी प्रत्याशी अयोग्य साबित हुए। अंत में आचार्य निराश हो गए। इसलिए जब यह दो युवक ने उनसे निवेदन किया तो आचार्य ने परीक्षा लेने का निर्णय किया और रसायन देकर घर लौटा दिया।

4. दूसरा युवक रसायन क्यों तैयार नहीं कर सका? इससे उसके चरित्र का कौन-सा गुण स्पष्ट होता है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : वह रसायन तैयार नहीं कर सका क्योंकि जाते समय मार्ग में उसने एक वृद्ध व्यक्ति मिल गया था। वह एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। उसका सारा समय उसकी सेवा में ही व्यतीत हो गया। इससे उसके सेवाभावी, दयालु और निस्वार्थ सेवा भाव का गुण स्पष्ट होता है।

5. आचार्य ने अपना सहायक किसे और क्यों चुना?

उत्तर : आचार्य ने अपना सहायक दूसरे व्यक्ति को चुना क्योंकि आचार्य के अनुसार रसायनशास्त्री यदि पीड़ा से कराहते हुए व्यक्ति की उपेक्षा करे, तो वह अपने शास्त्र में अपूर्ण है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'सहायक की खोज' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [1]

रंगत, लिखावट

उत्तर : त, आवट

ख) निम्नलिखित शब्दों के उचित उपसर्ग पहचानिए। [1]

निर्गुण, दुर्घटना

उत्तर : निर्, दूर्

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए : [1]

दरअसल, सदाचारी,

उत्तर : दर+असल, सत्+आचारी,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घ) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए : [1]

नमकीन, सुनार,

उत्तर : नमक + ईन, सोना + आर

प्र. 3. निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखें : [4]

1. कमल के समान नयन
2. शत अब्दों का समूह
3. देश और विदेश
4. पाँच हैं आनन जिसके

विग्रह	समस्त पद	समास
कमल के समान नयन	कमलनयन	कर्मधारय समास
शत अब्दों का समूह	शताब्दी	द्विगु समास
देश और विदेश	देश-विदेश	द्वंद्व समास
पाँच हैं आनन जिसके	पंचानन	बहुव्रीहि समास

प्र. 4. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए। [4]

1. मैं नहीं जा सकूँगा।

   उत्तर : निषेधवाचक वाक्य
2. अहा! कैसा सुंदर दृश्य है!

   उत्तर : विस्मयवाचक वाक्य
3. तुम सदैव स्वस्थ और प्रसन्न रहो।

   उत्तर : इच्छावाचक वाक्य
4. वह एक अच्छी लड़की है।

   उत्तर : विधानवाचक वाक्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 5. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए। [4]

1. खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा।

   उत्तर : यमक अलंकार

2. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के

   उत्तर : मानवीकरण अलंकार

3. भुज भुजगेस की है संगिनी भुजंगिनी सी

   उत्तर : अनुप्रास अलंकार

4. वह नव नलिनी से नयन वाला कहाँ है?

   उत्तर : उपमा अलंकार

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [3×2=6]

सेनापति 'हे' कुछ क्षण ठहरकर बोले- "हाँ, मैंने तुम्हें, पहिचाना, कि तुम मेरी पुत्री मेरी की सहचरी हो! किंतु मैं जिस सरकार का नौकर हूँ, उसकी आज्ञा नहीं टाल सकता। तो भी मैं तुम्हारी रक्षा का प्रयत्न करूँगा।"

इस समय प्रधान सेनापति जनरल अउटरम वहाँ आ पहुँचे, और उन्होंने बिगड़ कर सेनापति 'हे' से कहा - "नाना का महल अभी तक तोप से क्यों नहीं उड़ाया गया"

सेनापति 'हे' ने विनयपूर्वक कहा - "मैं इसी फ़िक्र में हूँ; किंतु आपसे एक निवेदन है। क्या किसी तरह नाना का महल बच सकता है?"

क) सेनापति ने किसको पहचान लिया?

   उत्तर : सेनापति ने मैना को पहचान लिया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ख) 'हे' किस सरकार के नौकर थे? 'हे' किस बात से चिंतित थे?

उत्तर : 'हे' अंग्रेज सरकार के नौकर थे। 'हे' महल की रक्षा के लिए चिंतित थे।

ग) जनरल अउटरम 'हे' पर क्यों बिगड़ उठा?

उत्तर : जनरल अउटरम 'हे' पर बिगड़ उठा क्योंकि उन्होंने नाना साहब के महल को अब तक ध्वस्त नहीं किया था।

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया?

उत्तर : एक बार बचपन में सालिम अली मामा की दी हुई एयरगन से खेल रहा था। उससे एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। सलिम ने मामा से जानकारी माँगनी चाही तो मामा ने उस नैचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बी.एन.एच.एस) जाने के लिए कहा। वहाँ से उन्हें गौरैया की पूरी जानकारी मिली। वे गौरैया की देखभाल, सुरक्षा और खोजबीन में जुट गए। उसके बाद उनकी रूचि पूरे पक्षी-संसार की ओर मुड़ गयी। वे पक्षी-प्रेमी बन गए। पक्षी विज्ञान को ही अपना करीअर बना लिया।

2. "लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।" - हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : हीरा के इस कथन से यह ज्ञात होता है कि उस समय समाज में स्त्रियों की स्थिति अच्छी नहीं थी। समाज में स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। उन्हें शारीरिक यातनाएँ दी जाती थीं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

वे पुरुषों द्वारा शोषित थी। इसलिए समाज में ये नियम बनाए जाते थे कि उन्हें पुरुष समाज शारीरिक दंड न दे। हीरा और मोती भले इंसानों के प्रतीक हैं। इसलिए उनके कथन सभ्य समाज पर लागू होते हैं। असभ्य समाज में स्त्रियों की प्रताड़ना होती रहती थी। लेखक नारियों के सम्मान के पक्षधर थे। वे स्त्रियों तथा पुरुषों की समानता के पक्षधर थे।

3. महादेवी वर्मा ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

उत्तर : महादेवी की माता अच्छे संस्कार वाली महिला थीं। वे धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। वे पूजा-पाठ किया करती थीं। वे ईश्वर में आस्था रखती थीं। सवेरे "कृपानिधान पंछी बन बोले" पद गाती थीं। प्रभाती गाती थीं। शाम को मीरा के पद गाती थीं। वे लिखा भी करती थीं। लेखिका ने अपनी माँ के हिन्दी-प्रेम और लेखन-गायन के शौक का वर्णन किया है। उन्हें हिंदी तथा संस्कृत का अच्छा ज्ञान था। इसलिए इन दोनों भाषाओं का प्रभाव महादेवी पर भी पड़ा।

4. लोग फोटो खिंचवाने के लिए क्या-क्या करते हैं?

उत्तर : लोग फोटो खिंचवाने के उधार के कपड़े, जूते, कोट, और यहाँ तक कि उधार की बीबी तक माँग लेते हैं। कई लोग तो फोटो खिंचवाने के लिए इत्र लगाकर बैठते हैं ताकि फोटो में भी उसकी महक आ जाए। इस तरह लोग फोटो खिंचवाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. तिब्बत में डाँडे किसे कहते हैं? यह खतरनाक क्यों है?

उत्तर : तिब्बत में डाँडे पहाड़ों के सीमांत स्थलों को डाँडे कहते हैं। डाँडे सोलह-सत्रह फीट की ऊँचाई पर होने के कारण एकदम निर्जन स्थान होते हैं। यहाँ पर दूर-दूर तक आदमी नजर नहीं आता। इस कारण यहाँ पर डकैती और खून हो जाते हैं।

प्र.8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया हैं
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक

1. गेंदों के अंतरिक्ष में गिरने के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर : गेंदों के अंतरिक्ष में गिरने के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि इस उम्र में उन्हें काम पर नहीं भेजा जाना चाहिए। ये उनके खेलने-कूदने के दिन हैं।

2. मदरसों से क्या आशय है? 'काले पहाड़' किसके प्रतीक हैं?

उत्तर : मदरसों से आशय है-विद्यालय। 'काले पहाड़' शोषण की व्यवस्था से संबंधित हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. काव्यांश का मूलभाव क्या है?

उत्तर : काव्यांश का मूलभाव बाल मजदूरी की विवशता पर आक्रोश करना है।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए ललदय ने क्या उपाय सुझाया है?

उत्तर : बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए ललदय ने उपाय सुझाया है कि भोग-विलास और त्याग के बीच संतुलन बनाए रखना, मनुष्य को सांसारिक विषयों में न तो अधिक लिप्त और न ही उससे विरक्त होना चाहिए बल्कि उसे बीच का मार्ग अपनाना चाहिए।

2. गोपियाँ कृष्ण के समक्ष विवश क्यों हो जाती हैं?

उत्तर : कृष्ण का रूप अत्यंत मोहक है तथा उनकी मुरली की धुन बड़ी मादक है। इन दोनों से बचना गोपियों के लिए अत्यंत कठिन है। गोपियाँ कृष्ण की सुन्दरता तथा तान पर आसक्त हैं इसलिए वे कृष्ण के समक्ष विवश हो जाती हैं।

3. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?

उत्तर : कवि को बचपन में माँ ने यह सिखाया था कि दक्षिण दिशा की ओर यमराज का घर होता है। अत: वहाँ पर कभी अपने पैर करके नहीं सोना उस तरफ़ पैर रखकर सोना यमराज को नाराज करने के समान है। माँ द्वारा मिली इस सीख के कारण कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल नहीं हुई।

4. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसक कुल से होती है या कर्मों से?तर्क सहित उत्तर दीजिए?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर आदि राजा केवल ऊँचे कुल में जन्म लेने के कारण महान नहीं बने वे महान बने तो अपने उच्च कर्मों से। इसके विपरीत कबीर, सूर, तुलसी बहुत ही सामान्य घरों में पैदा हुए परन्तु संसार भर में में अपने कर्मों के कारण प्रसिद्ध हुए। अत: हम कह सकते है कि व्यक्ति की पहचान ऊँचे कर्मों से होती है, कुल से नहीं।

5. 'चंद्रगहना लौटती बेर' कविता के अनुसार 'प्रकृति का अनुराग-अंचल हिल रहा है', पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि ने यहाँ पर सरसों का मानवीयकरण करते हुए उसे एक युवती के रूप में चित्रित किया है। कवि कहते हैं कि सरसों अब सयानी हो चुकी है अत: अब उसका स्वयंवर रचा जा रहा है और इस स्वयंवर में प्रकृति भी अपने आँचल को फैलाकर अपने प्यार को न्योछावर कर रही है।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. 'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जिस प्रकार मानव में रीढ़ की हड्डी महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। ठीक उसी प्रकार वैवाहिक रिश्तों में लड़का और लड़की रीढ़ की हड्डी के समान होते हैं। उनके स्वस्थ रिश्ते पारिवारिक शांति, अपनापन और समृद्धि के कारण बनते है। इस पाठ के जरिए यही बताने का प्रयास किया गया है कि नर और नारी दोनों में ही समानता होनी चाहिए। नारी को कमतर समझ कर हम एक प्रगति शील समाज की कल्पना नहीं कर सकते। अत: यह उचित शीर्षक है।

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज़्यादा सोचने का समय नहीं था?

उत्तर : माटीवाली अपनी आर्थिक और पारिवारिक उलझनों में उलझी, निम्न स्तर का जीवन जीने वाली महिला थी। अपना तथा बुड्ढे का पेट पालना ही उसके सामने सबसे बड़ी समस्या थी। सुबह उठकर माटाखाना जाना और दिनभर उस मिट्टी को बेचना इसी में उसका सारा समय बीत जाता था। अपनी इसी दिनचर्या को वह नियति मानकर चले जा रही थी। ऐसे में माटीवाली के पास अच्छे और बुरे भाग्य के बारे में सोचने का समय नहीं था।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

नर हो न निराश करो मन को

मनुष्य एक मननशील प्राणी है। मनुष्य अपने मानसिक बल के आधार पर बहुत से असंभव कामों को भी संभव कर सकता है।

जीवन में सफलता-असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय के अवसर मौसम के समान है, कभी कुछ स्थिर नहीं रहता। मनुष्य के जीवन में पल-पल परिस्थितियाँ बदलती रहती है। जीवन में कई बार असफलता का सामना करना पड़ता है। असफलता में निराश होने की बजाए उत्साह से कार्य किए जाए तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। नन्हा बालक भी पहले-पहल चलना सीखता है तो न जाने कितनी बार संतुलन खोने के कारण गिर पड़ता है परंतु हार नहीं मानता और अंत में चलना सीख लेता है। उसी प्रकार मनुष्य को भी असफलताओं से न घबराकार पुन: कोशिश में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जुट जाना चाहिए। प्रकृति, इतिहास, पौराणिक, सामाजिक हर स्तर पर हमें अनेकों ऐसे उदाहरण मिलते हैं जो हमें यही सीख देते हैं कि असफलता एक चुनौती है उससे सीखों और सुधार करो।

व्यक्ति के मन में यदि अवसाद ने अपना डेरा जमा लिया तो धीरे-धीरे उसके सोचने-समझने, कार्य करने के शक्ति बुरी तरह प्रभावित हो जाती है। व्यक्ति को आलस घेर लेता है और ऐसा व्यक्ति न केवल अपने घर-परिवार वरन समाज पर भी बोझ बन जाता है।

अब्राहम लिंकन भी अपने जीवन में कई बार असफल हुए और अवसाद में भी गए, किंतु उनके साहस और सहनशीलता के गुण ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ सफलता दिलाई। आशावान व्यक्ति के आगे भाग्य भी घूटने टेक देता है। इसलिए तो कवि सोहनलाल कहते हैं- 'लहरों के डर से नौका पार नही होती, कोशिश करने वालों की हार नही होती।'

इंटरनेट की दुनिया

- इंटरनैट-क्या है
- मानव मन पर प्रभाव
- सदुपयोग

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम,.फिल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंकों, बिल, सूचना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी। इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरें भेजना, झूठी अफवाहें फैलाना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि। आजकल के विद्यार्थी अपना अधिकतर समय सोशल मिडिया पर बिताते हैं। इस कारण उनकी पढ़ाई में बाधा पहुँचती है। कामकाजी लोग भी कार्यालय के कामों के बीच में सूचनाओं, संदेशों के आदान-प्रदान में अपना समय गँवाते हैं, जिसका असर उनकी कार्य-क्षमता पर पड़ता है। आजकल तो इसकी चपेट में नन्हें बच्चे भी आ चूके हैं वे भी खेल-कूद की बजाय अपना अधिकतर समय मोबाइल में वीडियो देखने में बिताते हैं। इसके अधिक प्रयोग लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसकी अनिवार्यता और महत्ता को देखते हुए आज सभी के लिए इसकी जानकारी प्राप्त करना तथा इसका प्रयोग सीखना आवश्यक होता जा रहा है। इसके प्रशिक्षण की सुविधाएँ आज विद्यालयों, कॉलेजों तथा अनेक निजी संस्थानों में भी उपलब्ध है। बस जरुरत है तो इसके सही इस्तेमाल की।

प्रकृति

- मानवीय जीवन में प्रकृति का महत्त्व
- प्रकृति को नष्ट करने से होने वाले दुष्परिणाम
- प्रकृति को बचाने के उपाय

हमें अपने आस-पास जो भी प्राकृतिक वस्तुएँ जैसे, वायु, जल, पेड़-पौधें, जंगल, झरने, पर्वत, मिट्टी, नदियाँ, खेत खलिहान आदि दिखाई देते हैं वे सभी प्रकृति है। मनुष्य प्रकृति से सदा से जुड़ा हुआ है। प्रकृति परमात्मा की अनुपम कृति है। प्रकृति का पल-पल परिवर्तित रुप उल्लासमय है,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हृदयाकर्षक है। वह सर्वस्व लुटाकर भी हँसती रहती है। प्रकृति अपने हजार रूपों में हमारे सामने खुशियों का ख़जाना लाती है। प्रकृति हमें सिखाती है कि जीवन हरपल आनंद से सराबोर है। नदियों का कल-कल करता संगीत, झूमते गाते पेड़, एवं छोटे छोटे जीव हमें सिखाते हैं कि जीवन को ऐसे जियो की जीवन का हर पल खुशियों की सौगात बन जाए। प्रकृति की गोद में वो सुख है, जो हज़ारों की संपत्ति पाकर भी नहीं मिलता। इसके सानिध्य में रहकर मनुष्य जीने की प्रेरणा पाता है।

प्रकृति मानसिक तनाव से जूझ रहे व्यक्ति के लिए तो जैसे वरदान है। मानसिक तनाव से ग्रसित व्यक्ति जब प्रकृति का सानिध्य पाता है तो उसका तनाव न केवल कम होता है बल्कि वह अपने को उर्जावान महसूस करता है। प्रकृति स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ ज्ञानवर्धक, प्रेरणावर्धक, उत्साह वर्धक आदि भी है। ये प्रकृति ही हैं जो व्यक्ति को नई खोजों, कवियों को कविता, चित्रकारों को उनकी कृतियों के लिए प्रेरणा प्रदान करती है। मनुष्य को चाहिए कि वह कभी भी प्रकृति के साथ छेड़खानी न करें। प्रकृति को अपने स्वार्थवश नष्ट न करें। मनुष्य अपने स्वार्थवश प्रकृति का अत्यधिक दोहन करता जा रहा है। इसके दूरगामी परिणाम स्वरुप हमें ताजा भोजन,जल और प्रकृति से सहज सुलभ होने वाली वस्तुएँ नहीं मिल पाएँगी। प्रकृति के विनाश से मौसमों में बदलाव, प्राकृतिक आपदाएँ यहाँ तक कि मानवीय अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा इसलिए आवश्यकता है कि मनुष्य समय रहते चेत जाय और प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन करें।

प्र. 12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।

सेवा में

बी/3,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आदर्श नगर,

दिल्ली।

दिनाँक- 5 अगस्त 20xx

प्रिय बहन हेमा,

तुम्हारा पत्र मिला पढ़कर बहुत दुख हुआ कि तुम्हे इस परीक्षा में केवल 40 अंक मिले है। माँ बता रही थी कि तुम्हारा ध्यान फैशन में बहुत ज्यादा लगा रहता है। मैं फैशन के खिलाफ नहीं परंतु अगर वह आपकी पढ़ाई और भविष्य के बीच में आए तो, अवश्य हूँ।

मैं पुरातन-पंथी नहीं हूँ और न ही पुराने विचारों का समर्थन करती हूँ। यदि हमारा कोई रुझान बहुमूल्य समय को खा जाए और निर्धारित खर्च को बढ़ावा दे, तो उसे छोड़ देने में ही हमारी भलाई है। अत्यधिक फैशन की होड़ चारित्रिक पतन का कारण बन जाती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम पढ़ाई का मूल्य समझोगी। माता जी और पिता जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी बहन

अनुजा

अथवा

2. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए।

राजनगर

अमरावती - 444 601

दिनाँक- 15 सितंबर, 20xx

सेवा में,

माननीय होम-इंस्पेक्टर,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

शहर विभाग,

अमरावती - 444 601

विषय : सार्वजनिक नवरात्री महोत्सव में देर रात तक ऊँची आवाज में बजने वाले रेकार्डो की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं राजनगर का निवासी हूँ। आजकल नवरात्री का महोत्सव चल रहा हैं। स्थान-स्थान पर रेकार्ड बज रहे हैं। इन रेकार्डो की ध्वनि इतनी तेज रहती है कि कानों को सहन नहीं होता। इसके अतिरिक्त आजकल हम विद्यार्थियों की परीक्षाएँ भी चल रही है। रेकार्डो की ध्वनि के कारण पढ़ाई में बाधा पड़ती है।

इसके अतिरिक्त छोटे बच्चों, बीमार एवं बूढे व्यक्तियों को भी सोने में बहुत तकलीफ होती है। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन्हें रात में निश्चित समय तक और मध्यम ध्वनि में रेकार्ड बजाने की ही अनुमति दी जाए।

मुझे उम्मीद है कि आप शीघ्र ही इस बारे में जरुरी कार्रवाही करेंगे।

कष्ट के लिए क्षमा चाहता हूँ।

भवदीय

उमेश शर्मा

प्र. 13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. दो मित्रों के बीच वृक्षारोपण पर बातचीत पर संवाद लेखन लिखें।

सोमेश : नमस्कार नीरव! आप कैसे हो?

नीरव : नमस्कार! मैं ठीक हूँ। आप बताओ, आपका क्या हालचाल है?

सोमेश : भाई आजकल तो हम वृक्षारोपण के कार्यक्रम में व्यस्त हैं।

नीरव : वृक्षारोपण!

सोमेश : हाँ वृक्षारोपण!

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

नीरव : कहाँ हो रहा है ये वृक्षारोपण?

सोमेश : मेरे विद्यालय के सामने काफी स्थान यूहीं बंजर पड़ा है। अत: हमारे प्राचार्य ने निश्चय किया कि इस बंजर भूमि को हरा-भरा बनाते हैं और इसलिए हम बच्चे स्कूल के बाद एक घंटे का श्रमदान करते हैं। अब तो सारी भूमि साफ़ हो गई है और कल वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

नीरव : ये तो बड़ी अच्छी बात है।

सोमेश : हाँ! नीरव हमारे प्राचार्य द्वारा किया गए कार्य को सभी जगह सराहा जा रहा है।

नीरव : वो तो होना ही था।

सोमेश : तुम से मिलकर अच्छा लगा। अब चलता हूँ। अभी बहुत सारे काम करने हैं।

नीरव : अच्छा मित्र अलविदा।

अथवा

2. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

कंडक्टर : टिकिट टिकिट..

विद्यार्थी : 1 अभिनव कॉलेज स्टॉप

कंडक्टर : 10 रु.

विद्यार्थी : मैं तो रोज 8 रु. में जाता हूँ।

कंडक्टर : हाँ! जाते होगे परंतु आज से भाव बढ़ गया।

विद्यार्थी : क्या बात कर रहे हैं? तीन महीने पहले ही तो 6 रु. से बढ़कर 8 रु. हुआ था।

कंडक्टर : अब हम क्या करें? महंगाई बढ़ती है और सरकार दाम बढ़ाती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

विद्यार्थी : हाँ महंगाई बढ़ती है इसका भुगतान जनता को ही करना पड़ता है।

कंडक्टर : क्या करे?

विद्यार्थी : हमें सरकार से बार-बार टिकट के दाम बढ़ाने को लेकर शिकायत करनी चाहिए।

कंडक्टर : हमारा तो काम है यह, आप बाबू लोग देखों।

विद्यार्थी : ठीक है, हम ही कुछ करेंगे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in